



सत्यमेव जयते

# झारखण्ड गजट

## असाधारण अंक

### झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

---

संख्या 307 राँची, मंगलवार, 20 वैशाख, 1938 (श०)  
10 मई, 2016 (ई०)

---

विधि (विधान) विभाग ।

-----

अधिसूचना

22 जनवरी 2016

संख्या-एल० जी० -04/2011- 06/लेज०--झारखण्ड विधान मंडल का निम्नलिखित अधिनियम, जिस पर माननीय राष्ट्रपति दिनांक 05 जनवरी, 2016 को अनुमति दे चुके हैं, इसके द्वारा सर्वसाधारण की सूचना के लिये प्रकाशित किया जाता है।

**दण्ड प्रक्रिया संहिता (झारखण्ड संशोधन) अधिनियम, 2011**

(झारखण्ड अधिनियम, 02, 2016)

झारखण्ड राज्य के परिपेक्ष्य में कार्यान्वयन हेतु दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 (1974 के नियम 5) में पुनः संशोधन के निमित्त अधिनियम ।

भारत गणराज्य के इक्सठवें साल में झारखण्ड राज्य विधान सभा द्वारा यह निम्नलिखित रूप में अधिनियमित हो;

**1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारंभ-**

- ( ) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम दण्ड प्रक्रिया संहिता (झारखण्ड संशोधन) अधिनियम, 2011 कहा जा सकेगा ।

- ( ) इसका विस्तार समूचे झारखण्ड राज्य के लिए होगा ।
- ( ) यह अधिनियम सरकार गजट में प्रकाशन की तिथि के प्रवृत्त होगा ।

## 2. दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 267 में संशोधन-

दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 267(I) के उस कंडिका(ख) में झारखण्ड राज्य में इसका कार्यान्वयन-

(1) निम्न शब्दों "न्यायालय, कारागार के भारसाधक अधिकारी से यह अपेक्षा करने वाला आदेश दे सकता है की वह ऐसे व्यक्ति को, यथास्थिति, आरोप का उत्तर देने के लिए या ऐसी कार्यवाहियों की प्रयोजन के लिए या साक्ष्य देने के लिए न्यायालय के समक्ष" के पश्चात् " वैक्तिक अथवा इलेक्ट्रॉनिक विडियो लिंकेज के माध्यम से" शब्दों को जोड़कर पढ़ा जायेगा ।

## 3. दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 273 में संशोधन-

दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 273 में झारखण्ड राज्य में इसका कार्यान्वयन-

(1) निम्न शब्दों "विचारण या अन्य कार्यवाही के अनुक्रम में लिया गया सब साक्ष्य अभियुक्त की "वैक्तिक अथवा इलेक्ट्रॉनिक विडियो लिंकेज के माध्यम से उपस्थिति" शब्दों को जोड़कर पढ़ा जायेगा ।

## 4. दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 313 में संशोधन-

दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 313 में झारखण्ड राज्य में इसका कार्यान्वयन-

(1) प्रत्येक जाँच या विचारण में, इस प्रयोजन से कि अभियुक्त अपने विरुद्ध साक्ष्य में प्रकट होने वाली किन्हीं परिस्थितियों का "वैक्तिक अथवा इलेक्ट्रॉनिक विडियो लिंकेज के माध्यम से" शब्दों को जोड़कर पढ़ा जायेगा ।

## 5. दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 353(5) में संशोधन-

दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 353(5) में झारखण्ड राज्य में इसका कार्यान्वयन-

(1) यदि अभियुक्त अभिरक्षा में है तो निर्णय सुनने के लिए उसे " वैक्तिक अथवा इलेक्ट्रॉनिक विडियो लिंकेज के माध्यम से" शब्दों को जोड़कर पढ़ा जायेगा ।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

**बी० बी० मंगलमूर्ति,**

प्रधान सचिव-सह-विधि परामर्शी

विधि (विधान) विभाग, झारखण्ड, राँची।

**संख्या-एल० जी०- 04/2011- 07/लेज०** झारखण्ड विधान मंडल द्वारा यथापारित और माननीय राष्ट्रपति द्वारा दिनांक 05 जनवरी, 2016 को अनुमत **दण्ड प्रक्रिया संहिता (झारखण्ड संशोधन) अधिनियम, 2011** का निम्नांकित अंग्रेजी अनुवाद झारखण्ड राज्यपाल के प्राधिकार से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जिसे भारतीय संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अधीन उक्त अधिनियम का अंग्रेजी भाषा में प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

# **THE CODE OF CRIMINAL PROCEDURE(JHARKHAND AMENDMENT) ACT,2011**

(Jharkhand Act, 02,2016)

An Act to further to amend the Code of Criminal Procedure,1973(Act No. 05 of 1974) in its application to the state of Jharkhand.

Be it enacted by the Legislative Assembly of the State of Jharkhand in the Sixty-first year of the Republic of India as follows:-

**1. Short title, extent and commencement:-**

- (i) This Act may be called the The Code of Criminal Procedure (Jharkhand Amendment) Act,2011
- (ii) It shall extend to the whole of the State of Jharkhand.
- (iii) It shall come into force from the date of notification in the official gazette.

**2. Amendment of Section 267:-**

In Section 267 of Code of Criminal Procedure,1973, in its application to the State of Jharkhand, in Sub-Section (1) clause (b):-

- (i) After the words "the court may make an order requiring the officer-in-charge of the prison to produce such person before the Court" the words "either in prison or through the medium of electronic video linkage" shall be inserted.

**3. Amendment of Section 273:-**

In Section 273 of Code of Criminal Procedure, 1973, in its application to the State of Jharkhand:-

- (i) After the words "All evidence taken in the course of the trial or other proceeding shall be taken in the presence of the accused, "the word " either in person or through the medium of electronic video linkage" shall be inserted.

**4. Amendment of Section 313:-**

In Section 313 of Code of Criminal Procedure, 1973, in its application to the State of Jharkhand:-

- (i) In every enquiry or trial for the purpose of enabling the accused personally to explain any circumstances appearing in the evidence against him the Court- After the words "enabling the accused," the word " in person or through the medium of electronic video linkage" shall be inserted.

**5. Amendment of Section 353(5):-**

In Section 353(5) of Code of Criminal Procedure, 1973, in its application to the State of Jharkhand:-

- (i) If accused is in custody, he shall be brought up to hear the judgement pronounced. After the words "he shall be brought up" the word " in person or through the medium of electronic video linkage" shall be inserted.

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

बी० बी० मंगलमूर्ति,

प्रधान सचिव-सह-विधि परामर्शी

विधि (विधान) विभाग, झारखण्ड, राँची ।

-----